



सहिष्णुता कायता का चिह्न नहीं है, वीरता का फल है।
Forbearance is not a sign of cowardness, it is the result of brevity.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

दैनिक विश्व परिवार

अंक : 264 • वर्ष : 11 • रायपुर, बुधवार 17 अप्रैल 2024 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 3 रूपए • संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

वरिष्ठ निर्यापक श्रमण समय सागर जी का आचार्य पदारोहण समारोह सम्पन्न

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की धार्मिक विरासत को यथाशक्ति उत्तरोत्तर बढ़ाएंगे : नवाचार्य समय सागर जी

कुंडलपुर महामहोत्सव में चतुर्विध संघ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, समाज श्रेष्ठी अशोक पाटनी सहित वरिष्ठ राजनेताओं एवं समाज श्रेष्ठियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ मत्वातिमव्य समारोह : जुटे लाखों श्रद्धालुजन



कुंडलपुर (विश्व परिवार)। आज सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में आयोजित आचार्य पद पदारोहण अति भव्य समारोह में वरिष्ठ निर्यापक श्रमण श्री समय सागर जी महाराज को आचार्य पद पर विभूषित किया गया। अपराह्न से आरंभ हुए समारोह में देश भर से जुड़े लाखों श्रद्धालु जनों, समाज श्रेष्ठी जनों के मध्य आचार्य श्री को सिंहासन पर प्रतिस्थित कर जैन समाज में एक नए युग का शुभारंभ हुआ।

आयोजन के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ संचालक श्री मोहन भागवत रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, कैबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद पटेल राज्यसभा सांसद श्री नवीन जैन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा, राज्यमंत्री लखन पटेल समाजश्रेष्ठी अशोक पाटनी आरके मारवल आदि रहे।

इस अवसर पर आचार्य भगवान के रूप में

मुनि श्री समय सागर जी को सिंहासन पर विराजमान करने के लिए सभी वरिष्ठ निर्यापक मुनिराजो ने पद ग्रहण करने के लिए आग्रह किया और उन्हें सिंहासन पर विराजमान कर पदारोहण कार्यक्रम को संपन्न किया।

नवोदित आचार्य श्री समय सागर महाराज ने पदारोहण के उपरांत अपने प्रथम संबोधन में अपनी विनय पूर्ण शैली में स्पष्ट किया कि ये चतुर्विध संघ मेरा नहीं, परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का था, है, और रहेगा। मैं तो संघस्य साधक हूँ। आचार्य गुरुदेव की परंपरा को सीमित शक्ति सामर्थ्य के माध्यम से हम सब आगे बढ़ाएंगे। हम तो शक्तिहीन हैं जो भी सामर्थ्य है वो गुरुदेव प्रदत्त है। गुरुजी ने ही हमें बताया कि उचित दिशा और निर्धारित पथ पर यदि चिंटी की चाल से भी चलते रहोगे तो लक्ष्य मिल जायेगा हमें उनके प्रकाश में ही चलते रहना है। आचार्य श्री ने कहा कि हमें

आचार्य भगवत श्री विद्यासागर जी महामुनिराज की धार्मिक विरासत को अपनी पूर्ण शक्ति सामर्थ्य के अनुसार निरंतर आगे बढ़ाते रहना है। निर्यापक मुनि श्री सुधासागर महाराज ने आगमयुक्त श्रमण परंपरा को विस्तार से जानकारी दी। उसी प्रासंगिक पूर्वोक्तियों की श्रृंखला में ये संपूर्ण संघ आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का श्रमण संघ है। आपने बताया कि वृक्ष की ही शाखा, उपशाखा, डाली, पत्ते, फूल फल होते हैं। मेरा उपसंघ नहीं है मैं स्वयं संघस्य हूँ।

योगसागर महाराज जी ने आचार्य महाराज की समाधि के समय को बताते हुये कहा कि गत आठ फरवरी को आचार्य महाराज ने दीर्घ प्रतिक्रमण किया और नौ फरवरी को दोपहर में हमें बताया कि मैं आचार्य पद के दायित्व से मुक्त हो चुका हूँ। मुझे इस पद का कोई विकल्प नहीं मैं पूर्णतया मुक्त हूँ, मेरी संकल्प पूर्वक

संकेतना चल रही है मेरी समाधि के उपरांत ये सार्वजनिक कर देना कि निर्यापक मुनि श्री समय सागर महाराज को संघ के आचार्य पद पर प्रतिष्ठित कर देना। निर्यापक संघ को विकसित, पल्लवित करें एक। शिक्षा दीक्षा धर्म का विस्तार करें मेरा आशीर्वाद है। आपने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का संदेश सार्वजनिक करते हुये कहा कि उनकी आज्ञा का पालन करना ही मेरा कर्तव्य है।

आचार्य महाराज की समाधि का स्मरण करते हुये निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि अंतिम समय में आचार्य महाराज काया से अस्वस्थ और दुर्बल थे मगर मन से स्वस्थ और सशक्त थे हम चार मुनि भी

सौभाग्यशाली थे कि अंतिम समय में हमें उनका चरणसांनिध्य और आशीर्वाद मिला।

निर्यापक मुनि अभयसागर महाराज ने बताया कि 131 मुनिदीक्षा, 172 आर्यिका दीक्षा सहित 508 भव्य जीवों को मोक्षपथ पर अग्रसर किया ये एक दुर्लभ संयोग है कि आचार्य महाराज के प्रथम शिष्य गृहस्थ के लघुभ्राता और अंतिम शिष्य गृहस्थ अवस्था के अग्रज हैं। पहले मुनि समयसागर जी और अंतिम एक सौ इकतीसवें मुनि उत्कृष्ट सागर जी।

आचार्य पद पदारोहण समारोह का संचालन वरिष्ठ मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने किया। मुनि श्री प्रणम्य सागर व मुनि श्री संभवसागर महाराज ने अपने वचन प्रगट किये।

आरके मारवल के संचालक श्रावक श्रेष्ठी श्री अशोक पाटनी ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज दिव्य पुरुष थे। चतुर्थकालीन चर्या करते हुये अनेक जीवों को मोक्षमार्ग पर अग्रसर किया। मंगलाचरण सुषमा दीदी, नीरज दीदी ने किया।

ज्येष्ठ निर्यापक मुनि श्री नियमसागर के मंत्रोच्चार के साथ आचार्य श्री के मुनिसंघ और निर्यापक श्रमणों ने लाखों श्रावकों के हार्षोत्साह के साथ नवोदित आचार्य श्री समयसागर जी महाराज को आचार्य पद पर पदारूढ कराते हुये नवीन आसन पर विराजमान किया। इसके साथ ही आज यह की तिथि जैन इतिहास और परंपरा में स्वर्गीकृत हो गई।

आचार्य पदारोहण का दृश्य देखने को देवताओं की आंखें भी तरस रही होंगी : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज कुंडलपुर में आचार्य पदारोहण महामहोत्सव में आकर ऐसा लग रहा है कि देवताओं की भी आंखें तरस रही होंगी आज के इस दृश्य को देखने को, आचार्य समय सागर जी महाराज के पदारोहण के इस दृश्य को देखकर हम सभी इसे समझने की कोशिश करते रहेंगे, लेकिन सही अर्थ में यह हमें समझ में नहीं आयेगा कि हम कौन सी दुनिया में पहुंच गए हैं। यह विचार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज देश के सबसे बड़े जैन तीर्थ स्थल कुंडलपुर में आचार्य मुनिश्री समय सागर महाराज के आचार्य पदारोहण महा महोत्सव में व्यक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत भी उपस्थित थे। डॉ मोहन यादव ने कहा कि ऐसा लग रहा है परमात्मा ने यह क्षण देकर हमारे जीवन को धन्य कर दिया है। मैं आपको प्रणाम करता हूँ, धन्यवाद करता हूँ।

उन्होंने कहा कि अपने जीवन काल में आचार्य विद्यासागर जी महाराज जीते जी देवत्व धारण कर गये, उनकी कृपा से

हमारी सरकार बनी तो हमने पहली कैबिनेट के पहले निर्णय में कुछ बातें इस प्रकार से जोड़ी, जिस कारण से हमारी सनातन संस्कृति युगो-युगो से दुनिया में अलग जानी जाती है।

डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति 2020 लागू हुई है, जिसके माध्यम से भारत को गौरवशाली भारत के रूप में जाना जाएगा। उस गौरवशाली भारत की भावी पीढ़ी

आचार्य श्री ने भारत को भारत बनाए रखने का मार्गदर्शन दिया : मोहन भागवत

समारोह को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि आर एस एस के सर संघचालक मोहन भागवत ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज सरल शब्दों में भारत के विकास की राह बता देते थे। उन्होंने भारत को भारत बनाए रखने का मार्गदर्शन दिया, जिस पर निरंतर रूप से कार्य किया जा रहा है। अध्यात्म का प्रणेता ही भारत की आत्मा को पहचानता है। आचार्य महाराज भारत की आत्मा और संस्कृति को जानते थे। सत्य के बल पर उन्होंने ने स्वयं को भारत से एकाकार कर लिया था जो एकाकार हो जाता है उसके लिये कोई पराया नहीं होता।

को उस लायक बनाया जाएगा, जिसके कारण वह गर्व महसूस कर सके और गौरवान्वित हो सके। हमने भगवान महावीर स्वामी के वीरपदों एवं 24 तीर्थकरों के वीरपदों को पाठ्यक्रम में हिस्सा दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सागर में शुरू किए जाने वाले आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज का नाम आचार्य विद्यासागर महाराज के नाम से किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने निर्णय लिया के खुले में मांस नहीं बिकने दिया जाएगा, जिसका पालन भी कराया गया है।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री लखन पटेल, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व न्यास एवं धार्मिक न्याय राज्यमंत्री धर्मदेव सिंह लोधी, पूर्व मंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, पूर्व मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण कुमरिया, विधायक हटा उमादेवी खटीक, विधायक सागर शैलेन्द्र जैन, हिदानंद शर्मा, पूर्व विधायक अजय टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।



वी कैयर

सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

आपका बेहतर स्वास्थ्य ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है

इसी आवर्ष पर चलते हुए हमने पूर्ण कर लिए हैं 8 वर्ष

आपसे मिला सहयोग, स्नेह और विश्वास यू ही बना रहे.....

धन्यवाद छलतीसगढ़ !

ANNIVERSARY

उपलब्ध सुविधाएं...

- ▶ टॉमा, एक्सिडेंट, आपातकालीन विभाग
- ▶ एडवांस आर्थोपेडिक विभाग
- ▶ घुटना, कूल्हा एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- ▶ न्यूरो एवं स्पाईन सर्जरी
- ▶ न्यूरोलॉजी विभाग
- ▶ यूरोलॉजी एवं स्टोन क्लीनिक
- ▶ जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी

- ▶ जनरल मेडिसीन
- ▶ बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
- ▶ स्त्री एवं प्रसूति विभाग
- ▶ श्वास एवं छाती रोग
- ▶ मिनिमल एक्सेस सर्जरी विभाग
- ▶ आईसीयू एवं क्रिटिकल केयर
- ▶ डेंटल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

कोल इंडिया लिमिटेड (SECL), केंद्र सरकार (CGHS), Railway (SECR), FCI, DRDO, ONGC, CSPDCL, आर्म्ड फोर्स (CAPF, CRPF इत्यादि) के कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त के CASHLESS ईलाज की सुविधा उपलब्ध।

सभी प्रमुख बीमा कंपनियों एवं TPA से CASHLESS ईलाज की सुविधा उपलब्ध

BSKY (BIJU कार्ड) से निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध

राज्य सरकार के कर्मचारियों के ईलाज के लिए मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल

जी.टी.बी. प्लॉजा, एयरटेल ऑफिस के पास, रिंग रोड नं. 1, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
Emergency No. : +91 91091 78901 | 0771 - 4024901
Web : www.wecarehospitalraipur.com | Email : wecarehospitals@gmail.com

